



# चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम

११०५, २०२२

दिनांक

११.९.२४

पृष्ठ संख्या

२

कॉलम

३५

## केवीके वैज्ञानिक फील्ड वर्क को रखें सर्वोपरी : प्रो. काम्बोज

६६ कृषि विज्ञान केन्द्रों की समीक्षा कार्यशाला का शुभारंभ



केवीके द्वारा प्रकाशित तकनीकी बुलेटिन का विमोचन करते कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज व अन्य।

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में तीन दिवसीय वार्षिक समीक्षा कार्यशाला का शुभारंभ हुआ। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज ने अतीर मुख्य अतिथि कार्यशाला का उद्घाटन किया जबकि आईसीएआर कृषि विश्वासांशिका के एडीजी डॉ. आरके सिंह व पूर्व एडीजी डॉ. रामचंद्र विशिष्ट अतिथि के रूप में तथा एमएचयू करनाल के कुलपति डॉ. एसके मल्होत्रा व बीसीकेवी विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति डॉ. एमएम अधिकारी अति विशिष्ट अतिथि के रूप में मौजूद रहे। कार्यशाला में हरियाणा, राजस्थान व दिल्ली राज्य में आईसीएआर के ६६ कृषि विज्ञान केन्द्रों की गत वर्ष किए गए कार्य प्रति की समीक्षा की जाएगी। कार्यशाला में आईसीएआर अटारी जोन-२ के निदेशक डॉ. जेपी मिश्रा ने सभी का स्वागत किया व कार्यक्रम

की स्वप्रेष्ठा प्रस्तुत की। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज ने कहा फील्ड वर्क कृषि की आत्मा है। इसलिए केवीके के वैज्ञानिकों को फील्ड वर्क के कार्यों को सर्वोच्च प्राथमिकता देनी चाहिए। कार्यशाला में आईसीएआर के एडीजी डॉ. आरके सिंह ने युवाओं को कृषि से जोड़े रखने के लिए कृषि को एक लाभदायक व्यवसाय बनाने, फसल उत्पादन बढ़ाने व कृषि उत्पाद का प्रसंस्करण कर मूल्य संवर्धन करने व नवीनतम तकनीकों को जल्द से जल्द किसानों तक पहुंचाने के लिए केवीके वैज्ञानिकों को प्रेरित किया। एमएचयू करनाल के कुलपति डॉ. एसके मल्होत्रा ने कहा कि सरकार द्वारा किसानों के कल्याणार्थ की जाने वाली योजनाओं एवं कार्यक्रमों को बेहतर हुंग से क्रियान्वित करने में केवीके अहा भूमिका निभा रहे हैं।



## चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पंजाब के सरो	११.९.२५	५	३-६

### वैज्ञानिक फील्ड वर्क को दखें सर्वोपरी, किसानों को दे नवीनतम तकनीकी जानकारी: प्रो. काम्बोज

हिसार, 10 सितम्बर (ब्लूरो): चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में तीन दिवसीय वार्षिक समीक्षा कार्यशाला का शुभाभास हुआ। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने बताए मुख्य अतिथि कार्यशाला का उद्घाटन किया जबकि आई.सी.ए.आर. (कृषि विस्तार शिक्षा) के ए.डी.जी. डॉ. आरके सिंह व पूर्व ए.डी.जी. डॉ. रामचंद्र विशिष्ट अतिथि के रूप में तथा एम.एच.यू. करनाल के कुलपति डॉ. एस.के. मल्होत्रा व बी.सी.के.वी. विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति डॉ. एम.एम. अधिकारी अति विशिष्ट अतिथि के रूप में मौजूद रहे। कार्यशाला में हरियाणा, राजस्थान व दिल्ली राज्य में आई.सी.ए.आर. के 66 कृषि विज्ञान केन्द्रों की गत वर्ष किए गए कार्य प्रगति की समीक्षा की जाएगी। कार्यशाला में आई.सी.ए.आर. अटारी जॉन-2 के निदेशक डॉ. जे.पी. मिश्रा ने सभी का स्वागत किया व कार्यक्रम की रूपरेखा प्रस्तुत की।

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो.



कार्यशाला को संबोधित करते कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज।

बी.आर. काम्बोज ने कहा कि फील्ड वर्क कृषि की आत्मा है। इसलिए केवीके के वैज्ञानिकों को फील्ड वर्क के कार्यों को सर्वोच्च प्राथमिकता देनी चाहिए। किसानों को कृषि वैज्ञानिकों का सच्चा हितपूर्ण बताते हुए उन्होंने कहा कि उन्हें फील्ड में जाकर किसानों की समस्याओं का समाधान सुनिश्चित करने के लिए हर संभव प्रयास करने चाहिए। उन्होंने कहा कि शोध कार्यों के साथ-साथ विस्तार प्रणाली को

गति देने के लिए कृषि वैज्ञानिकों को और अधिक बेहतर ढंग से काम करना होगा। उन्होंने कहा कि तकनीकी के इस युग में किसानों के लिए समय-समय पर एडवाइजरी जारी की जाए ताकि कृषि क्षेत्र की समस्याओं के समाधान के साथ-साथ फसल उत्पादन में बढ़ोतरी हो सके। उन्होंने किसानों को प्राकृतिक खेती एवं सूक्ष्म सिंचाई प्रणाली के बारे में जागरूक करने पर भी जोर दिया।

कार्यशाला में डॉ. आरके.सिंह

ने युवाओं को कृषि से जोड़े रखने के लिए कृषि को एक लाभदायक व्यवसाय बनाने, फसल उत्पादन बढ़ाने व कृषि उत्पाद का प्रसंस्करण कर मूल्य संवर्धन करने व नवीनतम तकनीकों को जल्द से जल्द किसानों तक पहुंचाने के लिए वैज्ञानिकों को प्रेरित किया। डॉ. एस.के. मल्होत्रा ने कृषि सिंचाई योजना, दलहनी एवं तिसहनी फसलों के अतिरिक्त कृषि क्षेत्र से संबंधित विभिन्न विषयों पर विस्तार से प्रकाश डाला।



## चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
निम्न जागरण	११.९.२५	३	७-८

वैज्ञानिक फील्ड वर्क को रखें सर्वोपरी, किसानों को दें नवीनतम जानकारी  
जासं • हिसार : चौधरी चरण सिंह  
हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के  
कुलपति प्रौ. बीआर काम्बोज ने कहा  
कि फील्ड वर्क कृषि की आत्मा है।  
इसलिए केवीके के वैज्ञानिकों को फील्ड  
वर्क के कार्यों को सर्वोच्च प्राथमिकता  
देनी चाहिए। उन्होंने कहा कि शोध  
कार्यों के साथ विस्तार प्रणाली को गति  
देने के लिए कृषि वैज्ञानिकों को बेहतर  
ढंग से काम करना होगा। वह तीन  
दिवसीय वार्षिक समीक्षा कार्यशाला में  
मुख्य अतिथि के रूप में बोल रहे थे।

इसमें आइसीएआर (कृषि विस्तार  
शिक्षा) के एडीजी डा. आरके सिंह व  
पूर्व एडीजी डा. रामचंद्र विशिष्ट अतिथि  
थे। एमएचयू करनाल के कुलपति डा.  
एसके मल्होत्रा व बीसीकेवी विवि के  
पूर्व कुलपति डा. एमएम अधिकारी  
अति विशिष्ट अतिथि थे। प्रौ. काम्बोज  
ने कहा कि तकनीकी के इस युग में  
किसानों के लिए समय-समय पर  
एडवाइजरी जारी की जाए ताकि  
समस्याओं के समाधान के साथ-साथ  
फसल उत्पादन में बढ़ोतरी हो सके।



# चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
उज्जीत सभाया२	११. ७. २५	५	१-६

## केवीके वैज्ञानिक फोल्ड वर्क को स्थें सर्वोपरि, किसानों को दें नवीनतम तकनीकी जानकारी : प्रो. काम्बोज



केवीके द्वारा प्रकाशित तकनीकी बुलेटन का विमोचन करते हुए कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज व अन्य।

हिसार, 10 सितम्बर (विंदेव वर्मा) : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में तीन दिवसीय वार्षिक समीक्षा कार्यशाला का शुभारंभ हुआ। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने बताए गुणवत्तियाँ कार्यशाला का उद्घाटन किया जबकि विश्वाइसेएआर (कृषि विस्तार शिक्षा) के महीने डॉ. आरके सिंह व पूर्व एडीजी डॉ. रामचंद्र विशिष्ट अतिथि के रूप में स्थाय प्रभावव्यूह करनाल के कुलपति डॉ. प्रभाम के मल्होत्रा व बीसीकेबी विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति डॉ. प्रभाम अधिकारी अति विशिष्ट अतिथि के रूप में मौजूद रहे।

कार्यशाला में हरियाणा, राजस्थान व दिल्ली राज्य में आईसीएआर के 66 कृषि विज्ञान केन्द्रों की गत वर्ष किए गए कार्य प्रगति की समीक्षा की जारी। कार्यशाला में आईसीएआर अटारी जोन-2 के निदेशक डॉ. जेपी सिंह ने सभी का स्वागत किया व कार्यक्रम की रूपरेखा प्रस्तुत की।

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने कहा कि फोल्ड वर्क कृषि की आत्मा है। इसलिए केवीके के वैज्ञानिकों को फोल्ड वर्क के कार्यों को सर्वोच्च प्राथमिकता देनी चाहिए। किसान को कृषि वैज्ञानिकों का

## हरियाणा, राजस्थान व दिल्ली के 66 कृषि विज्ञान केन्द्रों की समीक्षा कार्यशाला का शुभारम्भ

लिए कृषि वैज्ञानिकों को और अधिक किसानों को नई तकनीकों की जानकारी देने के लिए देश के 731 जिलों में कृषि किसानों के लिए समय-समय पर केवीके द्वारा किसानों को प्रदत्त की जाने वाली सुविधाओं के बारे में भी विस्तार से बताया। कार्यशाला में केवीके द्वारा कृषि महाविद्यालय परिसर में लगाई गई प्रदर्शनी का भी अवलोकन किया। इस अवसर पर विभिन्न केवीके द्वारा जिसके माध्यम से किसान समय-समय पर मौसम संबंधी जानकारी, फसल

कार्यशाला में आईसीएआर के एडीजी डॉ. आरके सिंह ने युवाओं को कृषि से जोड़े रखने के लिए कृषि को एक लाभदायक व्यवसाय बनाने, फसल उत्पादन बढ़ाने व कृषि उत्पाद का प्रसंस्करण कर मूल्य संवर्धन करने व नवीनतम तकनीकों को जल्द से जल्द किसानों तक पहुंचाने के लिए केवीके वैज्ञानिकों को प्रेरित किया। एमएव्यू करनाल के कुलपति डॉ. एसके मल्होत्रा ने कहा कि सरकार द्वारा किसानों के कल्याणार्थ की जाने वाली योजनाओं एवं कार्यक्रमों को बेहतर हुंग से क्रियान्वित करने में केवीके अहम भूमिका निभा रहे हैं। उन्होंने कृषि सिंचाई योजना, दलहनी एवं तिलहनी फसलों के अतिरिक्त कृषि क्षेत्र से संबंधित विभिन्न विषयों पर विस्तार से प्रकाश डाला। धानुका के चेयरमैन डॉ. आरजी अग्रवाल व आईसीएआर नई दिल्ली के पूर्व एडीजी डॉ. रामचंद्र ने भी अपने विचार रखे। विस्तार शिक्षा निदेशक डॉ. बलबान सिंह मंडल ने कार्यशाला में सभी का धन्यवाद किया। मंच का संचालन डॉ. संदीप रावल ने किया। इस अवसर पर सभी महाविद्यालयों के अधिकारी, निदेशक, अधिकारीण एवं वैज्ञानिक उपस्थित रहे।



## चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
आभूत उजाला	११-९-२५	५	६-४

### वैज्ञानिकों को कृषि की हर नई तकनीक किसानों तक पहुंचानी चाहिए : प्रो. कांबोज

माई सिटी रिपोर्टर

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में तीन दिवसीय वार्षिक समीक्षा कार्यशाला का उद्घाटन विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बीआर कांबोज ने किया। कार्यशाला में हरियाणा, राजस्थान व दिल्ली में आईसीएआर के 66 कृषि विज्ञान केंद्रों की गत वर्ष किए गए कार्यों की समीक्षा की जाएगी। इस दौरान प्रो. कांबोज ने कहा कि फील्ड वर्क कृषि की आत्मा है। इसलिए केवीके के वैज्ञानिकों को फील्ड वर्क के कार्यों को सर्वोच्च प्राथमिकता देनी चाहिए, ताकि किसानों तक नवीनतम तकनीकी जानकारी पहुंच सके।

कुलपति ने कहा कि तकनीकों के युग में किसानों के लिए समय-समय पर हिदायतें जारी की जाएं।

हरियाणा, राजस्थान व दिल्ली के 66 कृषि विज्ञान केंद्रों की समीक्षा कार्यशाला  
का शुभारंभ

आईसीएआर के एडीजी डॉ. आरके सिंह ने युवाओं को कृषि से जोड़े रखने के लिए कृषि को एक लाभदायक व्यवसाय बनाने, फसल उत्पादन बढ़ाने व कृषि उत्पाद का प्रसंस्करण कर मूल्य संवर्धन करने के लिए केवीके वैज्ञानिकों को प्रेरित किया। एमएचयू करनाल के कुलपति डॉ. एसके मल्होत्रा ने कृषि सिंचाई योजना, दलहनी एवं तिलहनी फसलों के अतिरिक्त कृषि खेत्र से संबंधित विभिन्न विषयों पर विस्तार से प्रकाश डाला। धानुका के चेयरमैन डॉ. आरजी अग्रवाल व आईसीएआर नई दिल्ली के पूर्व एडीजी डॉ. रामचंद्र ने विचार रखे।



## चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैरिया	११. ७. २५	११	२-६

# 66 कृषि विज्ञान केन्द्रों की समीक्षा कार्यशाला का शुभारंभ फील्ड वर्क को रखें सर्वोपरी, किसानों को दें नवीनतम तकनीक की जानकारी: वीसी

कार्यशाला में  
आईसीएआर अटारी  
जोन-2 के निटेक डॉ.  
जेपी मिश्रा ने कार्यक्रम  
की रूपरेखा प्रस्तुत की

हरियाणा न्यूज ► हिसार

हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में तीन दिवसीय वार्षिक समीक्षा कार्यशाला का शुभारंभ हुआ। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. वीआर कम्बोज ने मुख्य अतिथि के तौर पर कार्यशाला का उद्घाटन किया। जबकि आईसीएआर (कृषि विस्तार शिक्षा) के एडीजी डॉ. आरके सिंह व पूर्व एडीजी डॉ. रामचंद्र विशिष्ट अतिथि के रूप में तथा एमएचयू करनाल के कुलपति डॉ. एसके मल्होत्रा व वीसीएवी विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति डॉ. एमएम अधिकारी अति विशिष्ट अतिथि के रूप में मौजूद रहे। कार्यशाला में हरियाणा, राजस्थान व दिल्ली राज्य में आईसीएआर के 66 कृषि विज्ञान केन्द्रों की गत वर्ष किए गए कार्य प्रगति की समीक्षा की जाएगी। कार्यशाला में आईसीएआर अटारी जोन-2 के निदेशक डॉ. जेपी मिश्रा ने सभी का स्वागत किया व



हिसार। कैपीके द्वारा प्रकाशित तकनीकी बुलेटन का विमोचन करते कुलपति प्रो. वीआर कम्बोज व अन्य। छाटा: हरियाणा

कार्यक्रम की रूपरेखा प्रस्तुत की। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. वीआर कम्बोज ने कहा कि फील्ड वर्क कृषि की आत्मा है। इसलिए केवीके के वैज्ञानिकों को फील्ड वर्क के कार्यों को सर्वोच्च प्राथमिकता देनी चाहिए। किसानों को कृषि वैज्ञानिकों का सच्चा हितों बताते हुए उन्होंने कहा कि उन्हें फील्ड में जाकर किसानों की समस्याओं का समाधान सुनिश्चित करने के लिए हर संभव प्रयत्न करने चाहिए। उन्होंने कहा कि शोध कार्यों के साथ-साथ विस्तार प्रणाली को गति देने के लिए कृषि वैज्ञानिकों को और अधिक बेहतर ढंग से काम करना होगा। उन्होंने कहा कि

तकनीकी के इस युग में किसानों के लिए समय-समय पर एडवाइजरी जारी की जाए ताकि कृषि क्षेत्र की समस्याओं के समाधान के साथ-साथ फसल उत्पादन में बढ़ोतारी हो सके। उन्होंने कहा कि किसानों का कृषि विज्ञान केन्द्रों पर अटूट विश्वास है। जिसके माध्यम से किसानों का समय-समय पर मौसम संबंधी जानकारी, फसल उत्पादन की एडवाइजरी, विभिन्न फसलों के बीज, मिट्टी पानी की जांच सहित अन्य सुविधाओं का लाभ प्राप्त कर रहे हैं। उन्होंने किसानों को प्राकृतिक खेती एवं सूक्ष्म सिंचाई प्रणाली के बारे में जागरूक करने पर भी जोर दिया। किसानों को नई तकनीकों को

जानकारी देने के लिए देश के 731 जिलों में कृषि विज्ञान केन्द्र संचालित है। उन्होंने केवीके द्वारा किसानों को प्रदत्त की जाने वाली सुविधाओं के बारे में भी विस्तार से बताया। कार्यशाला में केवीके द्वारा कृषि महाविद्यालय परिसर में लगाई गई प्रदर्शनी का भी अवलोकन किया। इस अवसर पर विभिन्न केवीके द्वारा प्रकाशित तकनीकी बुलेटन का भी विमोचन किया गया। कार्यशाला में आईसीएआर के एडीजी डॉ. आरके सिंह ने युवाओं को कृषि से जोड़ रखने के लिए कृषि को एक सामाजिक व्यवसाय बनाने, फसल उत्पादन बढ़ाने व कृषि उत्पाद का प्रसंस्करण कर केवीके वैज्ञानिकों को प्रेरित किया।

सरकार की योजनाओं की अहन भूमिका के बारे में बताया

एमएचयू करनाल के कुलपति डॉ. एसके मल्होत्रा ने कहा कि सरकार द्वारा किसानों के कल्याणार्थ की जाने वाली योजनाओं एवं कार्यक्रमों को बेहतर ढंग से क्रियान्वित करने में केवीके अत्यन्त भूमिका निभा रहे हैं। उन्होंने कृषि सिंचाई योजना, दलहनी एवं तिलहनी फसलों के अतिरिक्त कृषि क्षेत्र से संबंधित विभिन्न विषयों पर विस्तार से प्रकाश डाला। धानुका के चेयरमैन डॉ. आरजी दिल्ली के पूर्व एडीजी डॉ. रामचंद्र ने भी अपने विचार रखे। विस्तार शिक्षा निदेशक डॉ. बलबान सिंह मंडल ने कार्यशाला में सभी का धन्यवाद किया। इस अवसर पर सभी महाविद्यालयों के अधिकारीगण एवं वैज्ञानिक उपसंस्थान रहे।

मूल्य संवर्धन करने व नवीनतम तकनीकों को जल्द से जल्द किसानों तक पहुंचाने के लिए केवीके वैज्ञानिकों को प्रेरित किया।



## चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
उभार उजाला	११. ९. २५	२	२-३

### एचएयू में कृषि मेला 16-17 को फसल अवशेष प्रबंधन पर फोकस

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय 16-17 सितंबर को कृषि मेला (रबी) का आयोजन करेगा। कुलपति प्रौ. बीआर कांबोज ने बताया कि इस वर्ष मेले का विषय फसल अवशेष प्रबंधन होगा। उहोंने बताया मेले में आगतुक किसानों को विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों द्वारा कृषि में फसल अवशेष प्रबंधन और मेजानकारियां दी जाएंगी। मेले में बीज, उर्वरक, कीटनाशक, कृषि मशीनें व यंत्र निर्माता कंपनियां भी भाग लेंगी। कि इस बार किसानों की सुविधा को देखते हुए उनके बैठने के लिए बाटर प्रूफ पंडाल होगा। किसानों को विभिन्न कृषि कार्यों के लिए उपयुक्त मशीनों, यंत्रों एवं उनकी कार्य प्रणाली के साथ इन मशीनों की कीमत और इनके निर्माताओं की भी जानकारी मिल सकेगी।

वस्तिर शिक्षा निदेशक डॉ. बलबान सिंह मंडल ने बताया कि पूर्व की भाँति इस साल भी यह मेला विश्वविद्यालय के गेट नंबर 3 के सामने मेला ग्राउंड पर लगाया जाएगा। मेले में किसानों को विश्वविद्यालय की ओर से सिफारिश की गई रबी फसलों के उन्नत बीज तथा बायोफार्टिलाइजर के अतिरिक्त कृषि साहित्य उपलब्ध करवाए जाएंगे। इसके लिए मेला स्थल पर विभिन्न सरकारी बीज एजेंसियों के सहयोग से बिक्री काउंटर स्थापित किए जाएंगे। किसानों को विश्वविद्यालय के अनुसंधान फार्म पर वैज्ञानिकों द्वारा उगाई गई खरीफ फसलों दिखाई जाएंगी तथा उनमें प्रयोग की गई टकनीलोंजी की जानकारी दी जाएगी। उहोंने बताया कि किसानों की कृषि, पशुपालन और गृहविज्ञान संबंधी समस्याओं का समाधान करने के लिए मेले के दोनों दिन प्रश्नोत्तरी सभाएं आयोजित की जाएंगी। संपाद



## चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
सिटी पल्स न्यूज	10.09.2024	---	--

# केवीके वैज्ञानिक फील्ड वर्क को रखें सर्वोपरी, किसानों को दें नवीनतम तकनीकी जानकारी : प्रो. काम्बोज

हरियाणा, राजस्थान व दिल्ली के 66 कृषि विज्ञान केन्द्रों की समीक्षा कार्यशाला का शुभारंभ

सिटी पल्स न्यूज, हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में तीन दिवसीय वार्षिक समीक्षा कार्यशाला का शुभारंभ हुआ। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. वी.आर. काम्बोज ने बतौर मुख्य अतिथि कार्यशाला का उद्घाटन किया जबकि आईसीएआर (कृषि विस्तार शिक्षा) के एडीजी डॉ. आरके सिंह व पूर्व एडीजी डॉ. रामचंद्र विशिष्ट अतिथि के रूप में तथा एमएचयू करनाल के कुलपति डॉ. एसके मल्होत्रा व बीसीकेवी विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति डॉ. एमएम अधिकारी अति विशिष्ट अतिथि के रूप में मौजूद रहे। कार्यशाला में हरियाणा, राजस्थान व दिल्ली राज्य में आईसीएआर के 66 कृषि विज्ञान केन्द्रों की गत वर्ष किए गए कार्य प्रगति की समीक्षा की जाएगी।



तकनीकी बुलेटन का विशेषण करते कुलपति प्रो. वी.आर. काम्बोज व अन्य

कार्यशाला में आईसीएआर अटारी जोन-2 के निदेशक डॉ. जेपी मिश्रा ने सभी का स्वागत किया व कार्यक्रम की रूपरेखा प्रस्तुत की।

प्रो. वी.आर. काम्बोज ने कहा कि फील्ड वर्क कृषि की आत्मा है। इसलिए केवीके के वैज्ञानिकों को फील्ड वर्क के कार्यों को सर्वोच्च प्राथमिकता देनी चाहिए। किसान को कृषि वैज्ञानिकों का सच्चा हितेपी बताते हुए उन्होंने कहा कि उन्हें फील्ड

में जाकर किसानों की समस्याओं का समाधान सुनिश्चित करने के लिए हर संभव प्रयास करने चाहिए। उन्होंने कहा कि शोध कार्यों के साथ-साथ विस्तार प्रणाली को गति देने के लिए कृषि वैज्ञानिकों को और अधिक बेहतर ढंग से काम करना होगा। उन्होंने कहा कि तकनीकी के इस युग में किसानों के लिए समय-समय पर एडवाइजरी जारी की जाए ताकि कृषि क्षेत्र की समस्याओं के समाधान के

साथ-साथ फसल उत्पादन में बढ़ोतरी हो सके। कार्यशाला में आईसीएआर के एडीजी डॉ. आरके सिंह ने युवाओं को कृषि से जोड़े रखने के लिए कृषि को एक लाभदायक व्यवसाय बनाने, फसल उत्पादन बढ़ाने व कृषि उत्पाद का प्रसंस्करण कर गूल्य संवर्धन करने व नवीनतम तकनीकों को जल्द से जल्द किसानों तक पहुंचाने के लिए केवीके वैज्ञानिकों को प्रेरित किया।



# चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पांच बजे न्यूज	10.09.2024	---	--

## कैवीके वैज्ञानिक फील्ड वर्क को रखें सर्वोपरी, किसानों को दें नवीनतम तकनीकी जानकारी: प्रो. काम्बोज



पांच बजे न्यूज

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में तीन विद्यार्थी वार्षिक समीक्षा कार्यशाला का शुभारंभ हुआ। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. डॉ. आर. काम्बोज ने बताए मुख्य अतिथि कार्यशाला का उद्घाटन किया जबकि आईसीएआर (कृषि विस्तार शिक्षा) के एडीजी डॉ. आरके सिंह व पूर्व एडीजी डॉ. रामचंद्र विशेषज्ञ अतिथि के रूप में तथा एम्बेचयू करनाल के कुलपति डॉ. एसके मल्होड़ा व विद्यार्थीकों विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति डॉ. एमएम अधिकारी अति विशेषज्ञ अतिथि के रूप में मौजूद रहे। कार्यशाला में हरियाणा, राजस्थान व दिल्ली राज्य में आईसीएआर के 66 कृषि विज्ञान केन्द्रों की गत वर्ष किए गए कार्य प्रगति की समीक्षा की जाएगी। कार्यशाला में आईसीएआर अदायी जोन-2 के निदेशक डॉ. जंपी मिश्र ने सभी का स्वागत किया व कार्यक्रम की संचरणा प्रस्तुत की।

विश्वविद्यालय के कलपति प्रो. डॉ. आर. काम्बोज ने कहा कि फील्ड वर्क की आत्मा है। एम्बेचयू केन्द्रों के वैज्ञानिकों का फील्ड वर्क के कार्यों को सर्वोच्च प्राथमिकता देना चाहिए। किसानों को कृषि वैज्ञानिकों का सल्ला हितोंची बताते हुए उन्होंने कहा कि उन्हें फील्ड में जाकर किसानों की समस्याओं का समाधान सुनिश्चित करने के लिए इह सभी प्रयत्न करने चाहिए। उन्होंने कहा कि शाख क्षेत्रों के साथ-साथ विस्तार प्रणाली को गति देने के लिए कृषि वैज्ञानिकों को और अधिक बहतर होना से काम करना होगा। उन्होंने कहा कि तकनीकी के इस शुग में किसानों के लिए समय-समय पर एडवाइजरी जारी की जाए ताकि कृषि क्षेत्र की समस्याओं के समाधान के साथ-साथ फसल उत्पादन में बढ़ोतारी हो सके। उन्होंने कहा कि किसानों का कृषि विज्ञान केन्द्रों पर अटूट विश्वास है। जिसके माध्यम से किसान समय-समय पर मौसम संबंधी जानकारी,

फसल उत्पादन की एडवाइजरी, विभिन्न फसलों के बीज, विटटी पानी की जांच सहित अन्य सुविधाओं का लाभ प्राप्त कर रहे हैं। उन्होंने किसानों को प्राकृतिक खेती पर सहम सिंचाई प्रणाली के बारे में जागरूक करने पर भी जोर दिया। किसानों को नई तकनीकों की जानकारी देने के लिए देश के 731 जिलों में कृषि विज्ञान केन्द्र संचालित हैं। उन्होंने केन्द्रों द्वारा किसानों को प्रदत्त की जाने वाली सुविधाओं के बारे में भी विस्तार से बताया। कार्यशाला में केन्द्रों द्वारा कृषि महाविद्यालय परिवर्त में लगाई गई प्रदर्शनी का भी अवलोकन किया। इस अवसर पर विभिन्न केन्द्रों द्वारा प्रकाशित तकनीकी बुलूटन का भी विषयोंवाला किया गया।

कार्यशाला में आईसीएआर के एडीजी डॉ. आरके सिंह ने सुनायें को कृषि से जोड़ रखने के लिए कृषि को एक लाप्तवायक व्यवसाय बनाने, फसल उत्पादन बढ़ाने व एक विशेषज्ञ करने से संबंधित करने व नवीनतम तकनीकों को जल्द से जल्द किसानों तक पहुंचाने के लिए केन्द्रों वैज्ञानिकों को प्रेरित किया।

एम्बेचयू करनाल के कुलपति डॉ. एसके मल्होड़ा ने कहा कि सरकार द्वारा किसानों के कल्याणार्थ की जाने वाली योजनाओं एवं कार्यक्रमों को बेहतर होने से कृषिकान्वयन करने में केन्द्रों अहम भूमिका निभा रहे हैं। उन्होंने कृषि सिंचाई योजना, दलहनी एवं दलहनी फसलों के आतंरक्त कृषि शेत्र से संबंधित विभिन्न विषयों पर विस्तार से प्रकाश डाला। यानुका के देवरपैन डॉ. आरजी अग्रवाल व आईसीएआर नई दिल्ली के पूर्व एडीजी डॉ. रामचंद्र ने भी अपने विचार रखे। विस्तार शिक्षा निदेशक डॉ. बलवान सिंह मंडल ने कार्यशाला में सभी का धन्यवाद दिया। मंच का संचालन डॉ. संदीप रावल ने किया। इस अवसर पर सभी महाविद्यालयों के अधिकारी, निदेशक, अधिकारीगण एवं वैज्ञानिक उपस्थित रहे।



## चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दृष्टि भूमि	११. ९. २५	९	।

एचएयू ने रबी फसल  
कृषि मेला 16-17 को  
हिसार। हरियाणा कृषि  
विश्वविद्यालय 16-17 सितंबर को  
कृषि मेला (रबी) का आयोजन  
करेगा। इस वर्ष मेले का विषय  
फसल अवशेष प्रबंधन होगा।  
किसानों को विवि के वैज्ञानिकों  
फसल अवशेष प्रबंधन की  
जानकारी देंगे। वीसी प्रो. बीआर  
कम्बोज ने बताया कि मेले में  
बीज, उर्वरक, कीटनाशक, कृषि  
मशीनें व यंत्र निर्माता कंपनियां भी  
भाग लेंगी। जिनके बारे में किसानों  
को अवगत करवाया जाएगा।



## चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक मासिक	11-9-24	५	१-२

### हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में कृषि मेला 16-17 को मेले में फसल अवशेष प्रबंधन की दी जाएगी जानकारी : प्रो. काम्बोज

भास्तर न्यूज़ | हिसार

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय 16-17 सितंबर को कृषि मेला रवीं का आयोजन करेगा। कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज ने यह जानकारी देते हुए बताया कि इस वर्ष मेले का विषय फसल अवशेष प्रबंधन होगा। उन्होंने बताया मेले में आगंतुक किसानों को विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों द्वारा कृषि में फसल अवशेष प्रबंधन वारे में जानकारियां दी जाएंगी।

उन्होंने बताया इस मेले में बीज, उर्वरक, कीटनाशक, कृषि मशीनें व यत्र निर्माता कंपनियां भी भाग लेंगी। किसानों को विभिन्न कृषि कारों के लिए उपयुक्त मशीनों, यंत्रों एवं उनकी कार्य प्रणाली के

साथ इन मशीनों की कीमत तथा इनके निर्माताओं की भी जानकारी मिल सकेगी।

विस्तार शिक्षा निदेशक डॉ. बलवान सिंह मंडल ने बताया कि पूर्व की भाँति इस साल भी यह मेला विश्वविद्यालय के गेट न. ३ के समाने मेला ग्राउंड पर लगाया जाएगा। मेले में किसानों को विश्वविद्यालय की ओर से सिफारिश की गई रवीं फसलों के उन्नत बीज तथा बायोफार्टलाइजर्स के अतिरिक्त कृषि साहित्य उपलब्ध करवाए जाएंगे। इसके लिए मेला स्थल पर विभिन्न सरकारी बीज एजेंसियों के सहयोग से विक्री काउंटर स्थापित किए जाएंगे। किसानों को विश्वविद्यालय के अनुसंधान फार्म पर वैज्ञानिकों द्वारा उगाई गई

खरीफ फसलें दिखाई जाएंगी तथा उनमें प्रयोग की गई टेक्नोलॉजी की जानकारी दी जाएगी। उन्होंने बताया कि किसानों की कृषि पशुपालन तथा गृहविज्ञान संबंधी समस्याओं का समाधान करने के लिए मेले के दोनों दिन प्रश्नोत्तरी सभाएं आयोजित की जाएंगी। मेला स्थल पर भिट्टी, सिंचाई जल व रोगी पौधों की वैज्ञानिक जांच करवाने की किसानों को सुविधा दी जाएगी।

उधर, सह निदेशक विस्तार डॉ. कृष्ण यादव ने बताया कि कृषि मेले में लगने वाली एओ-इंडस्ट्रियल प्रदर्शनी के लिए स्टॉलों की बिक्री शुरू की जा चुकी है। उन्होंने बताया इस बार किसानों की सुविधा के लिए उनके बैठने हेतु वाटर प्रूफ पंडाल होगा।



## चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
यैनि. १२५२	११-७-२८	२	१

### हक्की में कृषि मेला 16-17 सितंबर को

हिसार, १० सितंबर (हम्रा)

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय 16-17 सितंबर को कृषि मेला (रबी) का आयोजन करेगा। कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने बताया कि इस बष्ट मेले का विषय फसल अवशेष प्रबंधन होगा। उन्होंने बताया मेले में आगंतुक किसानों को विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों द्वारा कृषि में फसल अवशेष प्रबंधन वारे में जानकारियां दी जाएंगी।

उन्होंने बताया इस मेले में बीज, उत्प्रेरक, कीटनाशक, कृषि मशीनें व यत्र निर्माता कंपनियां भी भाग लेंगी। किसानों को विभिन्न कृषि कार्यों के लिए उपयुक्त मशीनों, यंत्रों एवं उनकी कार्य प्रणाली के साथ इन मशीनों की कीमत तथा इनके निर्माताओं की भी जानकारी मिल सकेगी। विस्तार शिक्षा निदेशक डॉ. बलचंद्र सिंह मंडल ने बताया कि पूर्व की भाँति इस साल भी यह मेला विश्वविद्यालय के गेट न. ३ के सामने मेला ग्राउंड पर लगाया जाएगा।



## चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
अजीत सभाभाषण	११. ९. २५	५	५.६

### हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में कृषि मेला 16 से

हिसार, 10 सितम्बर (विरेंद बर्मा): चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय 16-17 सितम्बर को कृषि मेला (खी) का आयोजन करेगा। कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने यह जानकारी देते हुए बताया कि इस वर्ष मेले का विषय फसल अवशेष प्रबंधन होगा। उन्होंने बताया मेले में आगंतुक किसानों में फसल अवशेष प्रबंधन वारे में जानकारियाँ दी जाएंगी।

इसके लिए मेला स्थल पर विभिन्न सरकारी बीज एजेंसियों के सहयोग से बिक्री काउंटर स्थापित किए जाएंगे। किसानों को विश्वविद्यालय के अनुसंधान फार्म पर वैज्ञानिकों द्वारा उगाई गई खरीफ फसलों दिखाई जाएगी तथा उनमें प्रयोग की गई तकनीलोंजी की जानकारी दी जाएगी। उन्होंने बताया कि किसानों की कृषि, पशुपालन तथा

**मेले में फसल अवशेष प्रबंधन संबंधी दी जाएगी जानकारी : प्रो. काम्बोज**

उन्होंने बताया इस मेले में बीज, उर्वरक, कीटनाशक, कृषि मशीनें व यंत्र निर्माता कंपनियाँ भी भाग लेंगी। किसानों को विभिन्न कृषि कार्यों के लिए उपयुक्त मशीनों, यंत्रों एवं उनकी कार्य प्रणाली के साथ इन मशीनों की कीमत तथा इनके निर्माताओं की भी जानकारी मिल सकेगी। विस्तार शिक्षा निदेशक डॉ. बलवान सिंह मंडल ने बताया कि पूर्व की भाँति इस साल भी यह मेला विश्वविद्यालय के गेट नं.-३ के सामने मेला ग्राउंड पर लगाया जाएगा। मेले में किसानों को विश्वविद्यालय की ओर से सिफारिश की गई रबी फसलों के उन्नत बीज तथा बायोफर्टिलाइजर के अतिरिक्त कृषि साहित्य उपलब्ध करवाए जाएंगे।

गृहविज्ञान संबंधी समस्याओं का समाधान करने के लिए मेले के दोनों दिन प्रश्नोत्तरी सभाएं आयोजित की जाएंगी। मेला स्थल पर मिट्टी, सिंचाई जल व रोगी पौधों की वैज्ञानिक जांच करवाने की किसानों को सुविधा दी जाएगी। उधर, सह निदेशक (विस्तार) डॉ. कृष्ण यादव ने बताया कि कृषि मेले में लगाने वाली एप्रो-इडलिस्ट्रियल प्रदर्शनी के लिए स्टॉलों की बुकिंग शुरू की जा चुकी है। प्राइवेट कंपनियों को स्टॉल पहले आओ, पहले आओ के आधार पर आवृत्ति किए जा रहे हैं। उन्होंने बताया इस बार किसानों की सुविधा के लिए उनके बैठने हेतु वाटर प्रूफ पंडाल होंगा।



## चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
सन् १९७५	११. ९. २५	६	५-५

### हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में कृषि मेला 16-17 को

हिसार (सच कहुँ/संदीप सिंहमार)। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय 16-17 सितंबर को कृषि मेला (रबी) का आयोजन करेगा। कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने यह जानकारी देते हुए बताया कि इस वर्ष मेले का विषय फसल अवशेष प्रबंधन होगा। उन्होंने बताया मेले में आगंतुक किसानों को विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों द्वारा कृषि में फसल अवशेष प्रबंधन वारे में जानकारियां दी जाएंगी। उन्होंने बताया इस मेले में बीज, उर्वरक, कीटनाशक, कृषि मशीनें व यंत्र नियार्ती कंपनियां भी भाग लेंगी। किसानों को विभिन्न

कृषि कारों के लिए उपयुक्त मशीनें, यंत्रों एवं उनकी कार्य प्रणाली के साथ इन मशीनों की कीमत तथा इनके नियार्ताओं की भी जानकारी मिल सकेगी।

विस्तार शिक्षा निदेशक डॉ. बलवान सिंह मंडल ने बताया कि पूर्व की भाँति इस साल भी यह मेला विश्वविद्यालय के गेट न. 3 के सामने मेला ग्राउंड पर लगाया जाएगा। मेले में किसानों को विश्वविद्यालय की ओर से सिफारिश की गई रबी फसलों के उन्नत बीज तथा बायोफर्टिलाईजर के अतिरिक्त कृषि साहित्य उपलब्ध करवाए जाएंगे।



## चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
२१ अक्टूबर २०११	११.९.२४	५	।

हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय  
में कृषि मेला 16 से  
जासं, हिसार: चौधरी चरण सिंह  
हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय 16-17  
सितंबर को कृषि मेला (रबी) का  
आयोजन करगा। कुलपति प्रो.  
बीआर काम्बोज ने बताया कि विषय  
फसल अवशेष प्रबंधन होगा। यह  
मेला विश्वविद्यालय के गेट नंबर 3 के  
सामने मेला ग्राउंड पर लगेगा।



## चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम  
पंजाब के सरी

दिनांक  
11. 9. 24

पृष्ठ संख्या  
2

कॉलम  
7-8

### हकूमि में कृषि मेला 16-17 सितंबर को

हिसार, 10 सितम्बर (ब्लूरो): चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय 16-17 सितंबर को कृषि मेला (रबी) का आयोजन करेगा। कूलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने यह जानकारी देते हुए बताया कि इस वर्ष मेले का विषय फसल अवशेष प्रबंधन होगा। उन्होंने बताया मेले में आगंतुक किसानों को विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकोंद्वारा कृषि में फसल अवशेष प्रबंधन बारे में जानकारियां दी जाएंगी।

उन्होंने बताया इस मेले में बीज, उर्वरक, कीटनाशक, कृषि मशीनें व यंत्र निर्माता कंपनियां भी भाग लेंगी। किसानों को विभिन्न कृषि कार्यों के लिए उपयुक्त मशीनों, यंत्रों एवं उनकी कार्य प्रणाली के साथ

इन मशीनों की कीमत तथा इनके निर्माताओं की भी जानकारी मिल सकेगी।

विस्तार शिक्षा निदेशक डॉ. बलबान सिंह मंडल ने बताया कि पूर्व की भाँति इस साल भी यह मेला विश्वविद्यालय के गेट नं. 3 के सामने मेला ग्रांड परलगाया जाएगा। मेले में किसानों को विश्वविद्यालय की ओर से सिफारिश की गई रबी फसलों के उन्नत बीज तथा बायोफर्टिलाईजर के अतिरिक्त कृषि साहित्य उपलब्ध करवाए जाएंगे। किसानों को विश्वविद्यालय के अनुसंधान फार्म पर वैज्ञानिकों द्वारा उगाई गई खरीफ फसलें दिखाई जाएंगी तथा उनमें प्रयोग की गई तकनालोजी की जानकारी दी जाएगी।



## चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
हैलो हिसार	11.09.2024	---	--

### केवीके वैज्ञानिक फील्ड वर्क को रखें सर्वोपरी, किसानों को दें नवीनतम तकनीकी जानकारी : प्रो. बी.आर. काम्बोज

हिसार : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में तीन दिवसीय वार्षिक समीक्षा कार्यशाला का शुभारंभ हुआ। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने बतार मुख्य अतिथि कार्यशाला का उद्घाटन किया जबकि आईसीएआर (कृषि विस्तार शिक्षा) के एडीजी डॉ. आरके सिंह व पूर्व एडीजी डॉ. रामचंद्र विशिष्ट अतिथि के रूप में तथा एमएचयू करनाल के कुलपति डॉ. एसके मल्होत्रा व बीसीकेबी विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति डॉ. एमएम अधिकारी अति विशिष्ट अतिथि के रूप में मौजूद रहे।

कार्यशाला में हरियाणा, राजस्थान व दिल्ली राज्य में आईसीएआर के 66 कृषि विज्ञान केन्द्रों की गत वर्ष किए गए कार्य प्रगति की समीक्षा की जाएगी। कार्यशाला में आईसीएआर अटारी जॉन-2 के निदेशक डॉ. जेपी मिश्रा ने सभी का स्वागत किया व कार्यक्रम की रूपरेखा प्रस्तुत की। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने कहा कि फील्ड वर्क कृषि का आत्मा है। इसलिए केवीके के वैज्ञानिकों को फील्ड वर्क के कार्यों को सर्वोच्च प्राथमिकता देनी चाहिए। किसान को कृषि वैज्ञानिकों का सच्चा हितेषी बताते हुए उन्होंने कहा कि उन्हें फील्ड में जाकर किसानों की समस्याओं का समाधान सुनिश्चित करने के लिए हर संभव प्रयास करने चाहिए। उन्होंने कहा कि शोध कार्यों के साथ-साथ विस्तार प्रणाली को गति देने के लिए कृषि वैज्ञानिकों को और अधिक बेहतर ढंग से काम करना होगा।





## चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
सिटी पल्स न्यूज	10.09.2024	---	--

### एचएयू में कृषि मेला (रबी) 16-17 को

सिटी पल्स न्यूज, हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय 16-17 सितंबर को कृषि मेला (रबी) का आयोजन करेगा। इस वर्ष मेले का विषय फसल अवशेष प्रबंधन होगा। मेले में आगंतुक किसानों को विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों द्वारा कृषि में फसल अवशेष प्रबंधन बारे में जानकारियां दी जाएंगी। इस मेले में बीज, उर्वरक, कीटनाशक, कृषि मशीनें व यंत्र निर्माता कंपनियां भी भाग लेंगी। किसानों को विभिन्न कृषि कार्यों के लिए उपयुक्त मशीनों, यंत्रों एवं उनकी कार्य प्रणाली के साथ इन मशीनों की कीमत तथा इनके निर्माताओं की भी जानकारी मिल सकेगी। विस्तार शिक्षा निदेशक डॉ. बलबान सिंह मंडल ने बताया कि पूर्व की भाँति इस साल भी यह मेला विश्वविद्यालय के गेट न. 3 के सामने मेला ग्रांउड पर लगाया जाएगा।



## चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
हैलो हिसार	11.09.2024	---	--

### हकूमि में कृषि मेला ( रबी ) 16-17 सितंबर को

हिसार : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय 16-17 सितंबर को कृषि मेला ( रबी ) का आयोजन करेगा। कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने यह जानकारी देते हुए बताया कि इस वर्ष मेले का विषय फसल अवशेष प्रबंधन होगा। उन्होंने बताया मेले में आगंतुक किसानों को विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों द्वारा कृषि में फसल अवशेष प्रबंधन बारे में जानकारियां दी जाएंगी।

उन्होंने बताया इस मेले में बीज, उर्वरक, कीटनाशक, कृषि मशीनें व यंत्र निर्माता कंपनियां भी भाग लेंगी। किसानों को विभिन्न कृषि कार्यों के लिए उपयुक्त मशीनों, यंत्रों एवं उनकी कार्य प्रणाली के साथ इन मशीनों की कीमत तथा इनके निर्माताओं की भी जानकारी मिल सकेगी।

विस्तार शिक्षा निदेशक डॉ. बलबान सिंह मंडल ने बताया कि पूर्व की भाँति इस साल भी यह मेला विश्वविद्यालय के गेट नं. 3 के सामने मेला ग्राउंड पर लगाया जाएगा। मेले में किसानों को

मेले में फसल अवशेष  
प्रबंधन बारे दी जाएगी  
जानकारी: कुलपति प्रो.  
बी.आर. काम्बोज

विश्वविद्यालय की ओर से सिफारिश की गई रबी फसलों के उत्तर बीज तथा बायोफर्टिलाइजर के अतिरिक्त कृषि साहित्य उपलब्ध करवाए जाएंगे। इसके लिए मेला स्थल पर विभिन्न सरकारी बीज एजेंसियों के सहयोग से विक्री काउंटर स्थापित किए जाएंगे।



## चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पांच बजे न्यूज	10.09.2024	---	--

# हकूमि में कृषि मेला (रबी) 16-17 सितंबर को

### पांच बजे न्यूज

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय 16-17 सितंबर को कृषि मेला (रबी) का आयोजन करेगा। कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने यह जानकारी देते हुए बताया कि इस वर्ष मेले का विषय फसल अवशेष प्रबंधन होगा। उन्होंने बताया मेले में आगंतुक किसानों को विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों द्वारा कृषि में फसल अवशेष प्रबंधन बारे में जानकारियां दी जाएंगी।

उन्होंने बताया इस मेले में बीज, उर्वरक, कीटनाशक, कृषि मशीनें व यंत्र निर्माता कंपनियां भी भाग लेंगी। किसानों को विभिन्न कृषि कार्यों के लिए उपयुक्त मशीनों, यंत्रों एवं उनकी कार्य प्रणाली के साथ इन मशीनों की कीमत तथा इनके निर्माताओं की भी जानकारी मिल सकेगी। विस्तार शिक्षा निदेशक डॉ. बलवान सिंह मंडल ने बताया कि पूर्व की भाँति इस साल भी यह मेला विश्वविद्यालय के गेट

न. 3 के सामने मेला ग्रांउड पर लगाया जाएगा। मेले में किसानों को विश्वविद्यालय की ओर से सिफारिश की गई रबी फसलों के उन्नत बीज तथा बायोफटिलाइजर के अतिरिक्त कृषि साहित्य उपलब्ध करवाए जाएंगे। इसके

लिए मेला स्थल पर विभिन्न सरकारी बीज एजेंसियों के सहयोग से बिक्री काउंटर स्थापित किए जाएंगे। किसानों को विश्वविद्यालय के अनुसंधान फार्म पर वैज्ञानिकों द्वारा उगाई गई खरीफ फसलें दिखाई जाएंगी तथा उनमें प्रयोग की गई तकनालोजी की जानकारी दी जाएगी। उन्होंने बताया कि किसानों की कृषि पशुपालन तथा गृहविज्ञान सबंधी समस्याओं का समाधान करने के लिए मेले के दोनों दिन प्रश्रोतरी सभाएं आयोजित की जाएंगी। मेला स्थल पर मिट्टी, सिंचाई जल व गोपी पौधों की वैज्ञानिक जांच करवाने की किसानों को सुविधा दी जाएगी।

उधर, सह निदेशक (विस्तार) डॉ. कृष्ण यादव ने बताया कि कृषि मेले में लगने वाली एग्रो-इंडस्ट्रियल प्रदर्शनी के लिए स्टॉलों की बुकिंग शुरू की जा चुकी है। प्राइवेट कंपनियों को स्टॉल पहले आओ, पहले पाओ के आधार पर आवंटित किए जा रहे हैं।

उन्होंने बताया इस बार किसानों की सुविधा के लिए उनके बैठने हेतु बाटर प्रूफ पड़ाल होगा। प्रदर्शनी क्षेत्र में पक्के गास्टों का निर्माण किया गया है और मेला स्थल की सुरक्षा के लिए चार दिवारी, प्रकाश व जल निकासी की व्यवस्था की गई है।